KU Newsletter

July 2025/ Edition 4, Vol. 1, चैत्र मास, विक्रम संवत २०८२

www.kuk.ac.in

योग में कुवि का योग(दान): कुलपति को सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने कुलपति को किया सम्मानित

कुवि परिसर: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की व्यापक भागीदारी को देखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा को सम्मा. नित किया गया। 21 जून को कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर तट पर आयोजित राज्यस्त. रीय समारोह में योग गुरु स्वामी रामदेव व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुलपति प्रो. सचदेवा को यह सम्मान प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, प्रदेश की आयुष एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, आचार्य बालकृष्ण , हरियाणा योग आयोग के चेयरमेन डॉ जयदीप आर्य सहित कई बड़ी हस्तियों ने भी इस आयोजन की शोभा बढ़ाई। स्वामी रामेदव ने कहा कि कुवि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय से इतनी बड़ी भागीदारी इसका प्रमाण है कि उच्च शिक्षा का यह प्रतिष्ठित संस्थ. ान किताबी शिक्षा और व्यावहारिक शिक्षा दोनों का संगम है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुलपति प्रो. सोमना. थ सचदेवा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में अद्वितीय सक्रियता का परिचयर दिया है।

प्रदेश स्तरीय सामारोह में कुवि की ओर से कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, डॉ. ममता सचदेवा, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन आफ कालेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, प्रो. सुनील ढींगरा, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. निरूपमा भट्टी, कुलपति के ओसएडी पवन रोहिला सहित सभी डीन, निदेशक, प्राचार्या, कुलपति कार्यालय, रजिस्ट्रार कार्यालय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग, डीन एकेडमिक अफेयर्स कार्यालय, गृह विज्ञान विभाग, यूआईईटी, गणित, मनोविज्ञान, ललित कला, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, रसायन विज्ञान विभ. ाग, राजनीति विज्ञान, एआईएच संस्कृति और पुरातत्व विभाग, खेल निदेशालय, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व, शिक्षा विभाग, आईआईएचएस, प्राणीशास्त्र, विधि, भूभौतिकी विभाग, सामान्य शाखा, प्राणीशास्त्र, राजनीति विज्ञान, सामान्य शाखा, भूगोल विभाग, महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र, लोक प्रशासन विभाग, संगीत और नृत्य विभाग, यूनिवर्सिटी स्कूल, यू.एस.एम, आई.एम.एस, छात्रवृत्ति अनुभाग, लेखा शाखा, जनसंचार और मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, शिक्षा विभाग, लोक सम्पर्क विभाग, विदेशी भाषा और कला विभाग, शैक्षणिक अनुभाग, अंग्रेजी विभाग, सहित सभी विभागों के शिक्षक, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों सहित लाखों लोगों ने भागीदारी की।

कुलपति ने किया आटो अपील सिस्टम का शुभारंभ

कुवि परिसर: प्रो. सोम नाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों की सुविधा को सर्वोपरी रखते हुए आटो अपील सिस्टम(एएएस) पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के माध्यम से अब अंतर विश्वविद्यालय प्रवास प्रमाण पत्र (इंटर यूनिवर्सिटी माइग्रेशन सर्टिफिकेट), प्रोविजनल सर्टिफिकेट एवं अन्य सेवाएं से जुड़ी समस्त जानकारी और सेवाएं विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा उठाया गया यह कदम "डिजिटल इंडिया" और "सुगम प्रशासन" की दिशा में एक सशक्त पहल है, जिससे विद्यार्थियों को पारदर्शी, तीव्र और सुलभ सेवाएं उपलब्ध होंगी, चाहे वे किसी भी क्षेत्र से आते हों। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार राइट टू सर्विस एक्ट के अंतर्गत लाकर सरल पोर्टल पर भी उपलब्ध कराया गया है। राइट टू सवि. स एक्ट को लागू करने की दिशा में यह सेवा सबसे पहले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई है, जो एक सराहनीय और अग्रणी कदम है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में कुलसचिव ले. फ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, सर्टिफिकेट सेक्शन से राज कुमार, राजेश तथा तथा नितिन उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता की ओर कुवि ने बढ़ाया कदम, वर्चुअल इंटर्नशिप प्रोग्राम पोर्टल शुरू

कुवि परिसर: विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र और वीआईपी द्वारा शुरू किए गए वर्चुअल इंटर्नशिप प्रोग्राम पोर्टल इंटर्नशिप कार्यक्रम कुवि के आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम है। यह विचार कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बुधवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में वर्चुअल इंटर्नशिप पोर्टल का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा की पिछले तीन वर्षो में 19 आनलाइन प्रोग्राम्स तथा अभी हाल ही में 3 नए ऑनलाईन प्रोग्राम्स विश्वविद्यालय द्वारा लागू किए गए हैं। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए इनोवेशन का बहुत महत्व है। दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र की निदेशक प्रो. मंज. ूला चौधरी ने बताया कि दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र यूजीध्पीजी छात्रों की इंटर्नशिप के लिए 172 लघु परियोजना आधारित पाठ्यक्रम तथा एनईपी 2020 के अनुसार छात्रा. ं एवं शिक्षकों के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके इलावा जो विद्यार्थी किसी कारण वश नियमित रूप से अन्य संस्थानों में इन प्रोग्राम्स में प्रवेश नहीं सके अथवा नियमित रूप से दूसरे अन्य संस्थानों में दूसरे प्रोग्राम्स में पढ़ाई कर रहे हैं वे भी विश्वविद्यालय के इस केंद्र के माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। इसके साथ ही समीर रूपाली ने वर्चु. अल इंटर्नशिप प्रोग्राम पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ. मंजू शर्मा ने किया। अंत में प्रो. जस. विन्द्र सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन आफ कालेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. संजीव शर्मा, प्रो. कृष्णा, प्रो. ओमवीर सिंह, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. अनिता दुआ, डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रो. जसविन्द्र सिंह सहित दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के शिक्षक, संबंधित कालेजों के प्रिंसिपल व इंटर्नशिप प्रतिनिधि मौजूद थे।

एनईपी को विकसित भारत के संकल्प के साथ पूर्णतया लागू करें : शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा

विश्वविद्यालयों में कुलपति कहलाए जाएंगे कुलगुरु, यूनिवर्सिटी एक्ट में होगा परिवर्तन

कुवि परिसर: जे.सी.बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, फरीदाबाद में एनईपी–2020 के तहत् हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद द्वारा सभी वाइस चांसलर्स एवं एकेडमिक लीडर्स के लिए इंटर्नशिप विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने भागीदारी करते हुए बताया कि कार्यशाला में शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए कि अब सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपति को आगे से भारतीय परम्प. रा अनुसार कुलगुरु कहा जाएगा। इसके लिए आने वाले समय में यूनिवर्सिटी एक्ट में भी परिवर्तन किया जाएगा। एक दिवसीय कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अप्रेंटिसशिप इंटीग्रेटेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) शुरू करे जिसमें प्रोग्राम की पूरी अवधि के 50 प्रतिशत अवधि की अप्रेंटिसशिप इंडस्ट्री के साथ हो सकती है जिसके लिए बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के साथ अथवा सीधा इंडस्ट्री के साथ एमओयू करने चाहिए। हरियाणा में इंटर्नशिप को विद्यार्थियों के लिए बहुत ही स्टूडेंट फ्रेंडली तरीके से लगाया जा रहा है ताकि विद्यार्थी इंडस्ट्री के साथ साथ अगर चाहे तो अपने गांव में रह कर भी इंटर्नशिप कर सके।

शिक्षकों को यह ध्यान रखना होगा कि कोई भी विद्यार्थी इंटर्नशिप का झूठा सर्टिफिकेट नहीं लेकर आए। कार्यशाला में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को इसके सभी प्रावधानों के साथ लगाने वाला हरियाणा देश का प्रथम राज्य तो है ही, परंतु इसके साथ–साथ सभी शिक्षकों का कर्तव्य है कि वो भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देश की बेहतरी व विकसित भारत के संकल्प के भाव के साथ पूर्णतया लागू करने में अहम् योगदान दें। कार्यशाला में कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय ने नैक ए–प्लस–प्लस उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया तथा सर्वप्रथम एनईपी–2020 को विश्वविद्यालय के यूजी, पीजी प्रोग्राम्स तथा सम्बन्धित महाविद्यालयों में सभी प्रावधानों के साथ लागू किया है। इसके साथ ही कुवि के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र द्वारा वर्चुअल इंटर्नशिप प्रोग. ाम पोर्टल (वीआईपी) द्वारा शुरू किए गए एनईपी 2020–अनुरूप 172 से अधि ाक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किए हैं जि. सका उद्देश्य वास्तविक कौशल के साथ शिक्षार्थियों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय इसी वर्ष से बीसीए, बीकॉम प्रोफेशनल, बीएससी इवेंट मैने. जमेंट, बीएससी मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी इन चार विषयों में अप्रेंटिसशिप इंटीग्रेटेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) शुरू करेगा। इस अवसर पर हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. एस.के. गक्खड़, जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाई.एम.सी.ए., फरीदाबाद के कुलपति डॉ. एस.के तोमर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सा. `मनाथ सचदेवा, जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाई.एम.सी.ए., फरीदाबाद के कुलपति डॉ. एस.के तोमर, डॉ. असीम मिगलानी, डॉ. दिनेश अग्रवाल, डॉ. पवन शर्मा, डॉ. मंजूला, डी.पी. भारद्व ाज सहित कुलपति व एकेडमिक लीडर्स मौजूद थे।

कुलपति ने जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के प्लेसमेंट ब्रोशर का किया विमोचन

कुवि परिसर : विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा और कुलसचिव डॉ. वीरेद्र पाल ने संयुक्त रूप से जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रत्येक विभाग और संस्थान अपने समाजहित और देशहित के संपूर्ण कार्यों के प्रति दृढ संकल्पित है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय संपूर्ण क्षेत्रों में अच्छे समाज निर्माण के लिए कार्य कर रहा है और प्रत्येक प्रचलित अपने स्वयं के माध्यमों से पहुंच बनाने में सफल प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में संस्थान का प्लेसमेंट ब्रोशर एक इकाई माध्यम है। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया और संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स से संबंधित प्लेसमेंट इंजार्च

अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. तपेश किरण, गौ. रव कुमार, राहुल अरोड़ा, राकेश कुमार, मोनिका दुआ, डॉ. रोशन लाल, रितु, एवं तकनीकी सहायक कंवरदीप शर्मा, डॉ. सतीश कुमार, कार्यशाला आयोजक जितेंद्र रोहिल्ला को बधाई दी और उनके कार्यों की प्रशंसा की। जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो.महासिंह पूनिया ने कहा कि संस्थान में संचालित बी.ए., एम.ए, एम.एस.सी मॉस कम्युनिकेशन, बी.एस.सी प्रिटिंग एंड पैके. जिग, बी.एस.सी. ग्राफिक्स एंड एनिमेशन, बी.एस.सी. मल्टीमीडिया, एम.एस. ग्रा. फिक्स एंड मल्टीमीडिया, एम.एस.सी. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के कोर्स संचालित हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा संच. ालित सभी कोर्स नई शिक्षा नीति–2020 के तहत पाठ्यक्रमों पर आधारित हैं जो विद्यार्थियों को स्वरोजगार, रोजगार में आगे बढ़ाने सुअवसर प्रदान करते हैं। ये सभी कोर्स इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप कौशलयुक्त युवा तैयार कर रहा हैं जो भविष्य में विकसित भारत–2047 के सपने का साकार करने में अपना योगदान देगें। उन्होंने कहा कि संस्थान के प्लेसमेंट ब्रोशर विमोचन से प्रत्येक कोर्स में पहले से अधिक प्लेसमेंट करवाने, डेटा संग्रहण और समाज में इस नये संचार माध्यम से पहुंच बनाने में संस्थान को लाभ होगा ही साथ में पूर्व एवं नये विद्यार्थियों के जुड़ाव की भी संभावना को बल मिलेगा।

फुलझड़ी सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक कला का प्रतीक : डॉ. प्रीतम सिंह

कुवि परिसर : पांच दिवसीय फुलझड़ी प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन अवसर पर केयू डॉ. भीमराव अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. प्रीतम सिंह ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि फुलझड़ी सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक कला का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि फुलझड़ी न केवल एक सजावट है, बल्कि यह हरियाण ावी समाज की कला, संस्कृति और परंप. राओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भू. मिका निभाती है। समय के साथ, फुलझड़ी ने अपने पारंपरिक रूप को बनाए रखते हुए आधुनिकता को भी अपनाया है, जि. ससे यह आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय है। इस अवसर पर मुख्यातिथि डॉ. प्रीतम सिंह, स्थापना शाखा के उपकुलसचिव डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा तथा क्यूरेटर डॉ. कुलदीप आर्य ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए।

केयू धरोहर हरियाणा संग. हालय के क्यूरेटर डॉ. कुलदीप आर्य ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि फुलझड़ी का इतिहास और इसका महत्व हरियाणा की सांस्कृतिक धरा में समाया हुआ है।

इस अवसर पर धरोहर हरियाणा संग्रहालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में लक्ष्मी देवी, भक्ति देवी, सुनीता देवी, अंगूरी देवी ने विशेष सहयोग किया। इस मौके पर हरियाणा सहित पंजाब, चंडीगढ़ व दिल्ली से आने वाले पर्यटकों ने भी धरो. हर का अवलोकन करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यशाला की सराहना की।

कुवि के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में ओडीएल व ऑनलाइन कार्यक्रमों में जुलाई सत्र के लिए दाखिला शुरू, आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 सितम्बर, 2025

कुवि परिसर : दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) में जुलाई–2025 सत्र के लिए ऑनलाइन मोड और ओपन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के माध्यम के स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन करने की दाखिला सूचना दू. रस्थ विभाग के द्वारा जारी की गई है। इन प्रोग्राम्स में दाखिले के इच्छुक आवेदक 10 सितम्बर, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुवि के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र की निदेशक प्रो. मंजूला चौधरी ने बताया कि ऑनलाइन कार्यक्रम के तहत ट्रेडिशनल प्रोग्राम्स में यूजी कार्यक्रमों (सेमेस्टर प्रणाली) में बी.ए.ध्बी.कॉम, पीजी प्रोग्राम्स (सेमेस्टर सिस्टम) में एम.ए. अंग्रेजी, एमए राजनीति विज्ञान, एमए मास कम्युनिकेशन, एम.कॉम, एमएससी गणित तथा एमए इतिहास शामिल हैं। प्रोफेशनल प्रोग्र. ाम्स में बीबीए, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स में एमबीए तथा एमसीए शामिल है। डिप्लोमा कार्यक्रम (1 वर्ष–2 सेमेस्टर) में साइबर सुरक्षा में डिप्लोमा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में डिप्लोमा व डेटा एनालिटिक्स में डिप्लोमा शामिल हैं। इसके साथ ही पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन भगवद्गीता स्टडीज तथा पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन प्रोग्राम भी इस सत्र से शुरू किए गए हैं। सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन टेक्नोलॉजी में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), ब्लॉक चेन मैनेजमेंट, फुल स्टैक डेवलपमेंट तथा क्लाउड कम्प्यूटिंग शामिल हैं। सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन फोरन लैंग्वेज (एक सेमेस्टर) में जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स, फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स व जापानी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स शामिल हैं। प्रो. मंजूला चौधरी ने बताया कि ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) प्रोग्राम्स में ट्रेडिशनल प्रोग्राम्स (सेमेस्टर सिस्टम) में बीए, बीकाम(6 सेमेस्टर), एमए सोशोलाजी शामिल हैं। वा. षिक प्रणाली में एमए हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, पंजाबी, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, लोक प्रशासन, इतिहास, अर्थशास्त्र, एम.कॉम, एमएससी. गणित व एमएससी भूगोल शामिल हैं। प्रोफेशनल (कम्प्यूटरध्आईटी प्रोग्राम्स) में एमसीए (4–सेमेस्टर), पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशंस (2–सेमेस्टर), वार्षिक प्रणाली में सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन कंप्यूटर एप्ल. ीकेशंस(एक वर्ष), बीसीए(3–वर्ष) तथा एमएससी कंप्यूटर साइंस(सॉफ्टवेयर) (दो वर्ष) में में दाखिले के इच्छुक आवेदक 10 सितम्बर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एमबीए (4 सेमेस्टर) तथा एडवांस ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एक्सपोर्ट मार्केटिंग मैनेजमेंट(एक वर्ष), डिप्लोमा इन लाइब्रेरी साइंस एंड इंफोरमेशन साइंस(एक वर्ष), बी.लिब.(एक वर्ष) तथा एम.लिब.(एक वर्ष), एमए मास कम्यूनिकेशन (2 वर्ष), एडवांस ग्र. ुजुएट डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यू निकेशन (एक वर्ष), बैचलर ऑफ एजुकेशन(दो वर्ष), एडवांस ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ एंड आईपीआर(एक वर्ष), एमए एनवायरमेंटल एजुकेशन(दो वर्ष), एडवांस ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन राइट्स (एक वर्ष), एडवांस ग्रेजुएट डिप्. लोमा इन ट्रांसलेशन (हिंदीध्अंग्रेजी), डिप्लोमा इन गीता, डिप्लोमा इन योगा तथा इंट्रोडक्टरी लेवल प्रोग्राम इन भगवद्गीता (60 घंटे अवधि) प्रोग्राम में दाखिले के के लिए 10 सितम्बर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इसके साथ ही एमएससी. कंप्यूटर साइंस (सॉफ्टवेयर) (2–वर्षीय) भाग–2, एम.ए. मास कम्युनिकेशन (2–वर्षीय), एम.ए. पर्यावरण शिक्षा (2–वर्षीय) भाग–2 में पात्रता शर्तों को पूरा करने बाद इन सभी कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री की अनुमति है। उन्होंने बताया कि बीएडध्एमबीए तथा एमसीए प्रोग्राम्स के लिए आवेदन की अं. तिम तिथि 25 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। दाखिला लेने के इच्छुक आवेदक इस संबंध में अधिक जानकारी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र की वेबसाइट से भी प्राप्त कर सकते हैं।

रैगिंग रोकने के लिए प्रशासन की मुहिम

पोस्टर व होर्डिंग लगाकर किया जाएगा छात्र–छात्राओं को जागरुक

कुवि परिसर : रैगिंग रोकने को हमेशा चौकन्ना रहे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने सत्र 2025–26 के लिए और मजबूत रणनीति बनाई है। सभी अधिकारियोंकी जिम्मेदारी तय कर दी गयी है। कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है यह प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह रैगिंग को लेकर सतर्क हों व किसी भी तरह की सूचना मिलने पर प्रशासन को तुरन्त सूचित करें। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार नए सत्र के शुरू होने से पहले रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। रैगिंग और छात्राओं के साथ छेडखानी जैसी घटनाएं विश्वविद्यालय में किसी भी दृष्टि से सहनीय नहीं होगी। विद्यार्थी अनुशासन में रहकर अपना अध्ययन करें। बैठक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एंटी रैगिंग पर दिए गए दिशा निर्देशों पर विचार–विमर्श किया गया। नए सत्र के दौरान रैगिंग को रोकने हेतु अवांछित तत्वों कें विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश को रोकने के लिए प्रबंध किया जाएगा। प्रत्येक विभ. ाग/संस्थान द्वारा नए छात्रों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों व उप. लब्ध सुविधाओं की जानकारी देने के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही एंटी रैगिंग के पोस्टर एवं होर्डिंग भी लगाए जाएंगे। रैगिंग की वास्तविक घटनाओं पर आधारित फिल्म भी छात्रों को दिखाई जाएगी जो सभी शिक्षण विभागों तथा विश्वविद्यालय से सम्बंधित कालेजों में भी उपलब्ध करवाई जाएगी। यूजी. सी टोल फ्री एंटी रैगिंग हैल्प लाईन नम्बर 1800–180–5522, ई–मेल हैल्प लाईनीमसचसपदम/दजपतंहहपदह.पद, विश्वविद्यालय की एंटी रैगिंग कमेटी के सदस्यों के फोन नम्बर विभिन्न स्थानों पर लगे बैनर एवं विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध होंगे। यदि कोई छात्र रैगिंग करते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाई करते हुए विश्वद्यिालय से निष्कासित भी किया जा सकता है । इस बैठक में विश्वविद्यालय के डीन अक. ादमिक मामले प्रो. दिनेश कुमार, डीन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौध ारी, डीन ऑफ कॉलेज प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रॉक्टरधडिप्टी प्रॉक्टर, पुरुष छात्रावास के चीफ वार्डन प्रो. जसबीर ढांडा, महिला छात्रावास की चीफ वार्डन प्रो. कुसुम लता, इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज की प्रिंसिपल प्रो. रीटा, इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च की प्रिंसिपल प्रो. अनिता दुआ, यूनिवर्सि. टी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टे. क्नोलॉजी के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान व लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

एमबीए के 15 विद्यार्थियों की हुई कैम्पस प्लेसमेंट

कुवि परिसर : विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और रोजगार केन्द्र द्वारा आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम ये एमबीए के 15 छात्र–छात्राओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। विद्यार्थियों के चयन पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इसकी जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने बताया कि गत दिनों जानी–मानी एचआर कम्पनी वृंदा ग्लोबल प्राइवेट लि. मिटेड कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने विश्वविद्यालय में कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जिसमें एमबीए के लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सबसे पहले कंपनी के अधिकारियों द्वार एक प्री–प्लेसमेंट वार्ता द्वारा विद्यार्थियों को कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई इसके बाद लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में उतीर्ण विद्यार्थियों की सामूहिक परिचर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार लिए गए जिसके बाद 15 छात्र–छात्राओं का चयन कंपनी में मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में कियाा। चयनित छात्राओं में नंदिनी, मीनल यादव, नेहा रानी, नेहा, मुस्कान, अभिषेक शर्मा, दिशा चेतना और नितिन वशिष्ठ शामिल हैं। इन विद्यार्थियों का कम्पनी की तरफ से 4 लाख रुपये वार्षिक वेतन के रूप में मिलेगा और जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में ये कम्पनी को ज्वाइन करेंगे। कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, विभागाध्यक्ष प्रो. सुशील शर्मा और केयूसीटीआईई के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. जसविन्द्र कुमार ने खुशी व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के चयन पर शुभकामनाएं दी।

संविधान जनता की इच्छा को प्रतिबिंबित करता है : डॉ. संजय सिंधु

कुवि परिसर : केयू सेंटर फॉर डॉ. बीआर आंबेडकर अध्ययन केन्द्र में एकदिवसिय एक्सटेंशन लेक्चर 'डेमोक्रेटिक इंस्टी. ट्यूशंस इन कांस्टिट्यूशन असेंबली डिबेट्स' के उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंधु, प्रोफेसर हिमाचल यूनिवर्सिटी ने कहा कि संविधान जनता की इच्छा को प्रतिबिंबित करता है और उनके अधिकारों की रक्षा करता है तथा लोकतांत्रिक संस्थाएं सार्वजनिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाती हैं, जिससे नागरिक संविधान निर्माण प्रक्रिया में योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करती हैं, जैसे कि बोलने की स्वतंत्रता, सभा की स्वतंत्रता और समानता आदि। इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय संविधान सभा द्वारा संविधान के निर्माताओं ने भारत में एक लोकतान्त्रिक व्यवस्था को स्थापित करने के प्रति गहरा समर्पण दिखाया। जिसके कारण वर्तमान में भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इस अवसर पर कार्यक्रम में कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल, डॉ. रमेश सि. रोही, डॉ. सुनील भारती, डॉ सुमन बाला, डॉ.कृष्ण, डॉ. नंदन शर्मा (डीन, शूलिनी यूनिवर्सिटी), डॉ.संगीता और उपासना मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रो. निरुपमा भट्टी को सम्मानित करने पर कुलपति ने दी बधाई

कुवि परिसर : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय समारोह 21 जून, 2025 को पुरुषोत्तमपुरा बाग, ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र में मनाया गया जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा योग के प्रचार व प्रसार के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ इंटिग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीज की शिक्षिका व यूथ रेड क्रॉस की काउंसलर प्रो. निरुपमा भट्टी तथा कुवि की योग के प्रति समर्पित स्वयंसेवक पायल को सम्मानित करने पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शिक्षा सहित हर क्षेत्र में योग का बहुत महत्व है। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। कुवि में भी योग द्वारा शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों का ध्यान केंद्रित करने, तनाव कम करने और भावनात्मक स्थिरता प्राप्त करने में प्रयोग किया जा रहा है जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन, कार्यक्षमता और समग्र कल्याण में सुधार होता है।

केयू न्यूज लेटर के तृतीय अंक का हुआ विमोचन

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर दिनेश कुमार ने केयू जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संचालित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 'केयू न्यूज लेटर' के तृतीय अंक का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि 'केयू न्यूज लेटर' विश्वविद्यालय की तमाम एकेडमिक सूचनाओं को आगे बढ़ाने का आंतरिक माध्यम है उसमे विभागों एवं संस्थानों मे आपसी गतिविधियों की सूचना मिलती है और एक बेहतर सामजस्य स्थापित होता है। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार ने 'केयू न्यूज लेटर' प्रकाशन के लिए जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया और उनकी समस्त टीम को बधाई दी। केयू जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थ.ान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि न्यूज लेटर विश्वविद्यालयों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो सूचना के प्रवाह को सुचारू बनाता है, यह न केवल वर्तमान छात्रों और कर्मचारियों के लिए, बल्कि पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इस मौके पर डीन प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. संजीव बंसल, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. अभिनव कटारिया, डॉ. तपेश किरण, डॉ. प्रदीप राय, राहुल अरोड़ा व अमित जांगड़ा मौजूद रहे।

पर्यावरण अध्ययन संस्थान के तीन छात्राओं की प्लेसमेंट

कुवि परिसर : पर्यावरण अध्ययन संस्थान द्वारा परिसर में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया , जहां जयपुर स्थित गौरांग एनवायरनमेंटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने संस्थान द्वारा संचालित एम.एस.सी. (पर्यावरण विज्ञान) की तीन छात्राओं नेहा, अंजू भ्यान तथा रूबल को कंपनी में पर्यावरण अधिकारी के पद पर चयनित किया। इस उपलब्धि के कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने चयनित छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान के निदेशक व डीन फैकल्टी आफ लाइफ सा.इंस प्रोफेसर जितेंद्र शर्मा ने गर्व व्यक्त करते हुए चयनित छात्रों को उनकी सराहनीय उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्लेसमेंट ड्राइव का प्रा.थमिक उद्देश्य शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटना, छात्रों को आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाना और संस्थान और समाज दोनों की प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण योगदान देना है। डॉ. संदीप गुप्ता ने संस्थान और कंपनी के बीच संपर्क सूत्र का काम किया। डॉ. हरदीप राय शर्मा, डॉ. भावना और शोध छात्रा सुश्री करुणा ने लिखित परीक्षा, समूह चर्चा और साक्षात्कार आयोजित करने में कंपनी की सहायता की।

वाणिज्य विभाग द्वारा उद्यमशीलता विकास पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन

कुवि परिसर : यूजीसी– मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) और वाणिज्य विभाग द्वारा उद्यमशीलता विकास पर दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का उद्घाटन सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन करते हुए युवाओं में नवाचार को बढ़ावा देने और उद्यमशीलता की मानसिकता पैदा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर महान यात्रा एक विचार से शुरू होती है। उन्होंने तेजी से गतिशील और अप्रत्याशित आर्थिक परिदृश्य में व्यवसायों के संचालन और मांगों दोनों को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। कोर्स समन्वयक प्रो. तेजिंदर शर्मा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और समकालीन व्यवसायों की उभरती जरूरतों के बारे में बात की। उन्होंने प्रतिभागियों से वर्तमान उद्योग रुझानों के बारे में जानकारी रखने और तेजी से बदलावों के अनुकूल होने की क्षमता विकसित करने का आग्रह किया। यूजीसी एमएमटीटीसी की निदेशक प्रो. प्रीति जैन और वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. महाबीर नरवाल ने आज के आर्थिक ढांचे में उद्यमिता की बढ़ती प्रासंगिकता और शिक्षा और शिक्षाशास्त्र में इसके बढ़ते महत्व पर जोर दिया। कार्यकर्म की गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. नीलम ढांडा ने उद्योग और आंतरिक व्यापार को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए पाठ्यक्रम की शुरुआत की। सत्र का समापन यूजीसी एमएमटीटीसी के उप निदेशक डॉ. नीरज बातिश द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। रिफ्रेशर कोर्स में 150 प्रतिभागियों ने नामांकन कराया है।

कुवि में स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के फैकल्टी लॉज के प्रांगण में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि के अवसर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित किए।इस मौके पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि आज पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। वह एक महान संत, विचारक और आध्यात्मिक गुरु थे जिन्होंने अपने ज्ञान, प्रेरक भाषणों और विचारों से न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को दिशा दी। स्वामी विवेकानंद सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तित्व के धनी माने जाते रहे हैं जिन्हें ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। हमें स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेकर भारत को समृद्ध, विकसित, सुरक्षित, गौरव युक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन आफ कालेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर.चौधरी, प्रो. डीएस राणा, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, उप–निदेशक डॉ. सलोनी दिवान, कुटा प्रधान प्रो. दीपक राय बब्बर, प्रो. रीटा, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. कुसुम लता, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. अनिता भटनागर, प्रो. जितेन्द्र भारद्वाज, प्रो. सुशील शर्मा, प्रो. कुलदीप सिंह, डॉ. सरिता राणा, डॉ. रमेश कैत, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. हरविन्द्र लोंगोवाल, डॉ. रामचन्द्र, डॉ. कुलदीप आर्य, मौजूद थे।

पौधरोपण करना परमार्थ का कार्य है : प्रो ढींगरा

कुवि परिसर: स्वदेशी जागरण मंच, ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और यूआईईटी के इको क्लब के साथ पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय व शहर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया। इस कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक और स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारा मौलिक दायित्व बनता है । पर्यावरण से ही मानव जीवन संभव है और पर्यावरण से ही हमें सभी प्रकार के संसाधन मिलते हैं जो मानव प्रजाति के साथ– साथ सभी जीव जन्तुओं को जीवन प्रदान करते हैं ।पौधा. रोपण पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग के साथ मिलकर फाइकर्स के 6 पेड़ लगाए, वही यूआईईटी संस्थ. ान इको क्लब के साथ में 4 आंवला , 8 सरस् 1 कटहल के पेड़ लगाए । श्री गुलजारीलाल नन्दा स्मारक स्थल पर 5 नाशपाती. 2 आलूबुखारा के फलदार वृक्ष लगाए। विशिष्ट अतिथि यूआईईटी संस्थान निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने स्वदेशी जागरण मंच की प्रशंसा करते हुए कहा कि पेड़ लगाना परमार्थ का कार्य है क्योंकि आज हम जो पेड़ लगा रहे हैं वह हमारी आने वाली पीढ़ी को फल ,छाया व जीवन देने का काम करेगा इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाकर हमारे पर्यावरण को मजबूती प्रदान करनी चाि.

हए। प्रो ढींगरा ने कहा कि पर्यावरण समूचे मानव के लिए जीवन प्रदान करता है अतः समूचे मानव का ये मौलिक दायित्व बनता है कि वो आस पास अधिक से अधि ाक संख्या में पेड़ ना सिर्फ लगाए अपितु उनका संरक्षण भी करें। जिस प्रकार से माँ– बाप अपने बच्चे का पालन पोषण कर बड़ा करते है ठीक उसी प्रकार हमें भी पेड़ लगाकर उसका पालन पोषण करना चाि. हए। स्वदेशी जागरण मंच जिला संयोजक लेफ्टिनेंट डॉ अजय जांगड़ा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे ष्एक पेड़ मां के नामष् आंदोलन हमे पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पर्यावरण संरक्षण हमारी जीवन शैली का हिस्सा है और पर्यावरण संरक्षण हमारे लिए एक महत्वपूर्ण भावनात्मक दायित्व भी है। इस अवसर पर नगर संयोजक डॉ. दवेन्द्र बीबीपुर ने कहा कि समाज के कल्याण के लिए स्वदेशी जागरण मंच निरंतर सकारात्मक उर्जा के साथ कार्य कर रहा है और पर्यावरण संरक्षण एक ध ार्मार्थ कार्य है। इस अवसर पर ताराचंद विभाग पूर्णकालिक डॉ. सीमा, डॉ. सुनील नैन ,डॉ. विशाल अहलावत हरिकेश पपा. `सा, गगनदीप हांडा, अजमेर, तरुण जोशी, डॉ राजरतन, डॉ बलदेव जी, डॉ गुरनाम, सूरज भान जी आदि मौजूद रहे।

जनसंचार संस्थान के ऑनर बोर्ड का अनावरण

कुवि परिसर: कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में जन. `सचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिहं पूनिया ने संस्थान में संचालित बी.ए.,एम.ए., एम.एस. सी जनसंचार के ऑनर बोर्ड का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि ऑनर बोर्ड में सम्मिलित विद्यार्थिगण वर्तमान और भविष्य में आने वाले मीडिया विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल साबित हो सके। इस ऑनर बोर्ड में संस्थान से पिछले कुछ वर्षो से उत्तीर्ण चौबीस विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जो मीडिया इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महा. सिंह पूनिया ने संस्थान के सभी अस्सि. टेंट डॉ. आबिद अली, डॉ. तपेश किरण, डॉ. अभिनव, डॉ. रोशनलाल, डॉ.. प्रदीप को बधाई दी है जिन्होंने विद्यार्थियों की कैंपस प्लेसमेंट करवाई। निदेशक प्रोफेसर पूनिया ने कहा कि विद्यार्थी मीडिया के क्षेत्रों में अपना सफल कैरिअर बना सकते हैं जिनमें टीचिंग प्रोफेशनल, वीडियो एडिटर, फिल्म एडिटर, फोटोग्राफी, फोटो पत्रकारिता, टेलीविजन कंटेट प्रोडूसर, टेलीविजन पत्रकारिता, समाचार संप. ादक, समाचार समीक्षक, कॉलम राइटर, प्रिंट रिपोर्टिंग, फ्री–लांसर, कंटेट राइटर, कंटेट क्रिएटर के रूप में अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जनसम्पर्क में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्र में जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में कार्य कर सकते हैं। विज्ञापन के क्षेत्र में विद्यार्थी देश–विदेश की जानी–मानी विज्ञापन कंपनियों में विज्ञापन मैनेजर, मीडिया प्लानर, कॉपी राइटर, कैंपन प्लानर के रूप में कार्य करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट के बढ़ते उपभ. ोक्ताओं के कारण सोशल मीडिया अपना वर्चस्व स्थापित करने में कामयाब हुआ है, इस सोशल मीडिया के लिए कंटेट क्रिएटर, वीडियो क्रिएटर, वीडियो संपादन के माध्यम से पत्रकारिता के बहुसंख्यक विद्यार्थी अपना करिअर का निर्माण कर चुके हैं और कर रहे हैं जिसके लिए मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान व्यवस्थित एवं नए आयामों के साथ विद्यार्थियों को तैयार करता है।

उन्होनें कहा कि पत्रकारिता एवं जनसंचार के कोर्स के उपरांत विद्यार्थियों में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संचार दक्षता एवं मीडिया में नवीनतम घटनाओं के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण की समझ विक. सित होती है जिससे स्वच्छ, समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

मीडिया के विद्यार्थी में समाज में अपेक्षित वर्ग की आवाज बनने की सक्षमता होती है जिससे वह समाज में समानता स्थापित करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

कुवि परिसर: कुवि में नए सत्र के पा. ठ्यक्रमों के लिए ली जा रही प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। शैक्षणिक सत्र 2025–26 को लेकर विभिन्न विभागों व संस्थानों में स्नातकध्स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को लेकर प्रवेश परीक्षाओं का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा किया तथा परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था और अन्य सुविधाओं की सम. ीक्षा की। इस मौके पर उन्होंने केन्द्र के कंट्रोल रूम की व्यवस्था, पेपर के रख. रखाव के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। इस बारे जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि परीक्षा के दौरान परीक्षा नियंत्रक व प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परीक्षा सुचारु रूप से चल रही है और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं मौजूद हैं व दिशा–निर्देशों का पालन किया जा रहा है। मूसलाधार बारिश होने के बावज. ूद परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि कुलपति के दिशा–निर्देशानुसार विभिन्न यूजीधीपीजी पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षाएं ली गई जिनमें केंद्र अधीक्षकों व ऑब्जर्वर्स की भी नियुक्ति की गई। साथ ही प्रत्येक परीक्षा केन्द्र की वीडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। डॉ. प्रकाश ने बताया कि सभी दूर–दराज से आए परीक्षार्थियों के स्वजनों व अन्य संबंधियों के लिए परीक्षा केंद्रो के बाहर बैठने व पेयजल की विशेष व्यवस्था भी की गई ताकि परिजनों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

कुवि के स्विमिंग पूल का विधिवत पूजा–अर्चना के साथ हुआ शुभारंभ

कुवि परिसर: कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में मंगलवार को विश्वविद्यालय के स्विमिंग पूल का उद्घाटन विधिवत पूजा–अर्चना के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी और खेल निदेशक प्रो. दिनेश राणा उपस्थित रहे। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी ने बधाई देते हुए कहा कि स्विमिंग करना भी व्यायाम का एक अंग है। नियमित रूप से स्विमिंग करने से हम स्वस्थ व तंदुरुस्त रह सकते हैं। खेल निदेशक प्रो. दिनेश राणा ने कहा कि तैराकी एक संपूर्ण व्यायाम है। इस स्विमिंग पूल के माध्यम से विश्वविद्यालय के खिलाड़ी न केवल विश्वविद्यालय स्तर पर, बल्कि राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। हम भविष्य में यहां तैरा. की प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों का आया. `जन भी सुनिश्चित करेंगे।" इस अवसर पर स्विमिंग पूल के इंचार्ज एवं बॉक्सिंग कोच डॉ. राजेश कुमार राजौंद, वॉलीबॉल कोच राजेश कुमार, कुश्ती कोच रमेश, फुटबॉल कोच मोनिका, विभाग के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार सहित सभी खेल स्टाफ व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ऑनलाइन शिक्षा एक भरोसेमंद दृष्टिकोण के रूप में उभरी है: प्रो. सीमा बावा

कुवि परिसर: यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र तथा कुवि परिसर के कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग विभाग के सहयोग से यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विक. ास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य अतिथि डीन आउटरीच टीआईईटी पटियाला से प्रो. सीमा बावा ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा, जिसे ई–लर्निंग के नाम से भी जाना जाता है, तेजी से सीखने के लिए एक भरोसेमंद दृष्टिकोण के रूप में उभरी है, जो व्यक्तियों को पारंपरिक कक्षा सेटिंग से परे शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। रिसोर्स पर्सन कुवि के प्रो. प्रदीप कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) द्वारा शिक्षा में लाए गए प्रतिमान बदलाव पर जोर दिया, जो प्रौद्योगिकी–सक्षम शिक्षण और समावेशी डिजिटल सामग्री को प्राथमिकता देता उन्होंने प्रतिभागियों को स्वयं और दिक्षा जैसे प्लेटफॉर्म से परिचित कराया। दोपहर के सत्र में संसाधन व्यक्ति डॉ. गौरव गुप्ता ने साइबरस्पेस की विकसित प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रो. अनुपम भाटिया ने डिजिटल युग में शिक्षण विधियों के विकास का पता लगाकर इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे ऑनलाइन शिक्षा शास्त्र ने पारंपरिक शैक्षिक ढांचे को बदल दिया है। इस अवसर पर निदेशक यूजीसी एमएमटीटीसी प्रो प्रीति जैन, प्रो. राकेश कुमार, अध्यक्ष डीसीएसए, पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशीष गिरध ार, डॉ. नीरज बातिश उपस्थित रहे।ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन रिसोर्स पर्सन प्रो. अनीता दुआ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिक. ल्पित प्रतिमान बदलाव पर प्रकाश डालते हुए इसकी समग्र, लचीली और शिक्षार्थी–केंद्रित रूपरेखा पर जोर दिया। प्रो. दीपक कुमार ने भारतीय दंड संहिता (आइ. `पीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संरचनात्मक कमियों और औपनिवेशिक विरासत पर प्रकाश डाला । प्रो. अर्चना चौधरी ने बताया कि कैसे आईईआर शैक्षिक अंतराल को पाटने, सहयोग को बढ़ाने और पारंपरिक कक्षा को अधिक समावेशी और संसाधन–समृद्ध शिक्षण स्थान में बदलने में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है। डॉ. नियति बलियान ने प्रतिभागियों को कई तरह के उपकरणों और प्लेटफॉर्म के जरिए मार्गदर्शन किया जो शैक्षिक परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं ।

Kurukshetra University Shines at State-Level "International Yoga Day" Celebration

Mansi / Aastha
Student

On the sacred banks of Brahma Sarovar, KU proudly showcased its collective strength, unity, and commitment to holistic wellness on the occasion of International Yoga Day 2025.

Under the inspiring leadership of VC Prof. Som Nath Sachdeva, the entire Kurukshetra University family—administrative officers, faculty members, non teaching staff, researchers, and students— came together to make a remarkable contribution to the state level celebrations held in the holy city of Kurukshetra.

Registrar Dr Virender Pal summed up the university's behind the scenes efforts: "Kurukshetra University had started impeccable preparation for its participation days before the event, and these plans were reviewed every day. That is why the university's commitment was widely noticed and encouraged, and Vice Chancellor Prof. Som Nath Sachdeva received a special honor from Chief Minister of Haryana Nayab Singh Saini during the function for his exemplary leadership in successfully spearheading the university's participation.

The peaceful morning transformed into a vibrant expression of energy and harmony as over one lakh participants from across Haryana gathered to perform yoga in unison. The event, guided by Yoga Guru Swami Ramdev and graced by Chief Minister Nayab Singh Saini, became a powerful symbol of health, unity, and cultural heritage.

Amidst this massive gathering, Kurukshetra University's contingent of more than 5,000 members stood out for its discipline, coordination, and youthful spirit—demonstrating the university's deep rooted values of holistic education and national service.

On the day of the event, in a very thoughtful gesture, the university ensured that all officials, staff members, students, and researchers assembled at the Department of Fine Arts and then proceeded to the venue on foot. This collective march became an inspiring sight for many.

"Yoga is not just a practice; it is a tradition that strengthens the mind, body, and soul. Kurukshetra University is proud to take part in preserving and promoting this timeless heritage.

I extend my heartfelt thanks to the Hon'ble Chief Minister of Haryana, Sh. Nayab Singh Saini, and Yog Guru Swami Ramdev for recognizing the university's contribution and bestowing this honor upon me on behalf of the entire KUK family." Vice Chancellor Prof. Som Nath Sachdeva remarked,

Students' Voices

Master's Student Arjun Singh shared that practicing yoga at dawn on the banks of Brahma Sarovar was a deeply spiritual and energizing experience, describing the setting as serene and the event beautifully organized. Jyoti expressed pride in being part of such a large and meaningful celebration, noting how yoga's roots in the Vedas and Puranas felt alive when practiced in a sacred space with thousands of participants. Nayem, an international student, reflected on yoga in India as a life philosophy promoting mental clarity, emotional balance, and cultural understanding, calling himself fortunate to witness such a lively tradition. Resham said her first Yoga Day in Kurukshetra exceeded all expectations; the peaceful, disciplined atmosphere left her calm and inspired to continue yoga regularly. Jiya felt the energy around Brahma Sarovar was spiritually charged, where wellness and cultural pride blended to create a memorable impact. Himanshi observed that such a large, disciplined gathering revealed the power of collective mindfulness, with synchronized movements and shared focus leaving her deeply moved. Piyush explained that the event showed him yoga is more than physical activity; it brought inner peace and motivated him to adopt daily practice for mental and emotional wellness. Payal added that performing yoga at sunrise by the Sarovar filled her with positivity and motivation, calling the experience serene, spiritual, and deeply rewarding. Kurukshetra University's wholehearted participation stood as a model for how educational institutions can actively contribute to national missions and global wellness goals. With strong leadership, a unified presence, and enthusiastic engagement, the university helped turn International Yoga Day 2025 into a memorable celebration of health, tradition, and collective inspiration.

कुवि तथा बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (नॉर्दर्न रीजन) के बीच हुआ समझौता

कुवि परिसर : विश्वविद्यालय तथा बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (नॉर्दर्न रीजन), कानपुर के बीच राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के अंतर्गत प्रशिक्षुता

आधारित डिग्री कार्यक्रम (एईडीपी) के कार्यान्वयन हेतु समझौता पत्र पर हस्. ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल तथा बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के डिप्टी डाय. रेक्टर संदीप कुमार ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलपति ने एमओयू के लिए बधाई देते हुए कहा कि बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (नॉर्दर्न रीजन), कानपुर के साथ समझौता करने से विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए रोजगार के नवीन अवसर पैदा होंगे। उद्यमिता एवं रोजगार को बढ़ाना ही विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। इस समझौते का उद्देश्य स्नातक स्तर के छात्रों की रोजगार क्षमता में सुधार करना, उच्च शिक्षा संस्थानों और उद्योगोंध्प्रतिष्ठानों के बीच सक्रिय संपर्क को बढ़ावा देना तथा उच्च शिक्षा संस्थानों और बीओएटी (एनआर) के साथ साझेदारी में प्रशिक्षुता एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) के प्रभावी कार्यान्वयन द्वारा छात्रों के बीच कौशल अंतर को पाटना है। इस समझौते के अंतर्गत प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र, कुटिक, स्वरोजगार सृजन केन्द्र भी बनाए गए हैं जो विद्यार्थियों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को कुवि ने देश में सर्वप्रथम इसके सभी प्रावधानों के साथ लागू किया है।

विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी 2020 के अनुरूप इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किए गए हैं जिसका उद्देश्य वास्. तविक कौशल के साथ शिक्षार्थियों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। इस समझौते के तहत् बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग विद्यार्थियों को औद्योगिकी प्रशिक्षण प्रदान करेगा जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढेगी। प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड के प्रतिनिधि संदीप कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) योजना के तहत, युवाआ. ं को अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग दी जाती है। इस समझौते के तहत् छात्रों के बीच एनएटीएस और एईडीपी कार्यक्रमों का प्रचार और जागरूकता सृजन करने में मदद मिलेगी। एनएटीएस पोर्टल प्रशिक्षुता अनुबंध प्रबंधन, प्रदर्शन प्रबंधन, मासिक वजीफा प्रबंधन मॉड्यूल और प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद प्रमाण पत्र प्रदान करने जैसी सभी सुविधाएं प्रदान करेगा।

प्रो. जसविन्द्र सिंह ने एमओयू के उद्देश्य के बारे में प्रकाश डालते हुए बताया कि एनएटीएस और एईडीपी के तहत प्रशिक्षुता प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानोंधविश्वविद्यालयों के सहयोग से प्रतिष्ठानोंध्उद्योगों और उद्योग संघों के साथ कार्यशालाएंध्सेमिनारध्बैठकें आयोजित की जाएंगी।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. मंजूला चौधरी, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. संजीव अरोड़ा, प्रो. जितेन्द्र शर्मा, प्रो. संजीव शर्मा, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राकेश कुमार, प्रो. रीटा, प्रो. महावीर नरवाल, प्रो. अनिता दुआ, कुवि प्लेसमेंट आफिसर डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रो. मोहिन्दर चांद, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. जसविन्द्र सिंह, प्रो. अश्विनी, प्रो. नीरज, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

आर.आइ.एस और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

कुवि परिसर : विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआइ. ंएस) द्वारा 3 से 4 जून, 2025 तक नई दिल्ली में ''वैश्विक दक्षिण एवं त्रिकोणीय सहयोग के उभरते पहलुओं पर सम्मेलन'' विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय तथा विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआइ. ंएस) के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमन. ाथ सचदेवा ने अपने संबोधन में कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और आरआइएस का संबंध 1990 के दशक से चला आ रहा है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय

शिक्षा नीति (2020) को पूर्णतः लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, और यह देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने इसे पूर्ण रूप से कार्यान्वित किया है। साथ ही, विश्वविद्यालय के शिक्षक गण तेजी से पेटेंट पंजीकरण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय आने वाले समय में आरआइएस के साथ संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं, विद्यार्थियों की इन्टर्नशिप, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशालाओं का आयोजन करेगा, और शीघ्र ही भारतीय महासागर क्षेत्रीय संगठन (आईओआरए) की विश्वविद्यालय नेटवर्क (यूएमआई. ओआर) का सदस्य बनने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच सहयोग, सशक्त भागीदारी और साझा विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है जिसमें भारतीय शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी इस प्रयास को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध हो रही है। विश्वविद्यालय की इस सहभागिता ने विश्वविद्यालय की वैश्विक उपस्थिति और प्रभाव को और अधिक सुदृढ़ किया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में भारत की जी–20 की अध्यक्षता के दौरान विदेश निति के तहत आयोजित यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब प्रोग्राम में देशभर से 100 विश्वविद्यालयों ने सहभागिता की थी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विदेश नीति से संबंधित अनेक चर्चाओं और सेमिनारों का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए आ. रआइएस ने 21 प्रमुख विश्वविद्यालयों का चयन कर उनके साथ सहभागिता हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस प्रोग्राम के दौरान प्रमुख रूप से महामहिम श्री सैंटियागो पेना पालासियस, राष्ट्रपति, पराग्वे गणराज्यय माननीय श्री पबित्रा मारग्रेटा, विदेश राज्य मंत्री, भारत सरकारय राजदूत श्री संजय कुमार वर्मा, अध्यक्ष, आरआ. इएसय प्रो. सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, आरआइएसय डॉ. नित्या नंदा, निदेशक, सामाजिक विकास परिषद व प्रो. धनंजय सिंह, सदस्य आईसीएसएसआर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सोम नाथ के साथ कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पॉल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार एवं प्रो. वी. एन. अत्री, निदेशक, अंतरराष्ट्रीय इंडो–पैसिफिक अध्ययन केंद्र की उप. स्थिति उल्लेखनीय रही।

विश्व गुरु बनने के लिए शोध में गुणवत्ता जरूरी: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने एआईयू सम्मेलन में शोध गुणवत्ता पर दिए विचार

कुवि परिसर : एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा अपनी स्था. पना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 23–24 जून, 2025 को कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा परिसर में आयोजित हुआ जिसमें देशभर के 100 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों, नीति विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के उप. राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा किया गया, जबकि समापन उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया।

सम्मेलन का मुख्य विषय भविष्य की उच्च शिक्षा की परिकल्पनाः भारत की केंद्रीय भूमिका थी।सम्मेलन के दूसरे दिन आयोजित विशेष सत्र उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध की गुणवत्ता को बढ़ावा देना में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि यदि भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति और विश्व गुरु बनना है, तो केवल शोध की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता, प्रासंगिकता और वैश्विक मान्यता प्राप्त शोध में निवेश करना होगा।

भारत में 1100 से अधिक विश्वविद्यालय और 43,000 कॉलेज होने के बावजूद शोध की गुणवत्ता, वैश्विक उद्धरणों और प्रभाव के स्तर पर भारत की स्थिति अभी भी अपेक्षित नहीं है। अब समय आ गया है जब भारत के विश्वविद्यालय विचारों की प्रयोगशालाएं, नवाचार की नर्सरी और सामाजिक परिवर्तन के केंद्र बने। उन्होंने कहा कि रिसर्च को सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शैक्षणिक मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने रिसर्च शब्द का विस्तृत अर्थ बताया।कि अनुसंधान निधि में वृद्धि, अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाना, कौशल और प्रशिक्षण को मजबूत करना, उद्योग संबंधों को प्रोत्साहित करना, गुणवत्ता का मूल्यांकन करना, मात्रा नहीं, नवाचार और पेटेंट को पुरस्कृत करना, वैश्विक स्तर पर सहयोग करना है। सम्मेलन में यह प्रश्न उठाए गए कि क्या भारत में हो रहा शोध राष्ट्रीय एवं वैश्विक समस्याओं का समाधान कर पा रहा है, क्या इससे नीति निर्माण, नवाचार या सामाजिक बदलाव संभव हो पा रहा है, और क्या हमारी संस्थाएं जिज्ञासा और

प्रयोग को प्रोत्साहित करने वाली संस्कृति विकसित कर पा रही है। इस सत्र के दौरान वक्ताओं में ध्रुवा बनर्जी (संस्थापक एवं सीईओ, प्रोजेक्ट सेट, प्रो. सोमक राय चौधरी (कुलपति, अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत) और प्रो. राज सिंह (कुलपति, बेनेट विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश) प्रमुख रहे।

सत्र में प्रमुख बाधाओं के रूप में शोध एवं विकास (आरएंडडी) पर अन्य देशों के मुकाबले भारत के कम निवेश (जीडीपी का 0.7 प्रतिशत, अमेरिका द्व ारा 3.5 प्रतिशत, चीन द्वारा 2.7 प्रतिशत), आधारभूत ढांचे की कमी, अधिक कार्यभ. ार झेलती फैकल्टी, सीमित सहयोग, और कमजोर मार्गदर्शन प्रणाली जैसी चुनौतियों की पहचान की गई।

इस संदर्भ में सुझाव दिए गए कि शोध केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र विक. सित किया जाए, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा मिले, गुणवत्ता आधारित मूल्यांकन अपनाया जाए, और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत जि. ज्ञासा–आधारित शिक्षण और शोध को बढ़ावा दिया जाए।

भारत रत्न गुलजारी लाल नंदा की जयन्ती समारोह पर आयोजित किया भव्य कार्यक्रम

कुवि परिसर : कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा के आदर्शा को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत हैं। जो व्यक्ति सदाचार को अपनाएगा वह निश्चित ही अपने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लेगा। वे शुक्रवार को गुलजारी लाल नंदा नीतिशास्त्र– दर्शनशास्त्र केन्द्र संग्रहालय एवं पुस्तकालय की ओर से भारत रत्न स्वर्गीय गुलजारी लाल नंदा की जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित हवन यज्ञ कार्यक्रम में बोल रहे थे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, मदन मोहन छाबड़ा, केन्द्र निदेशक प्रो. शुचिस्मिता, समाज सेवी विजय सभ्रवाल व नगर के अन्य गणमान्य लोगों ने नंदा जी के सदाचार समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भारत रत्न नंदा जी ने सारी उम्र समाज के लिए जीए और कुरुक्षेत्र के विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कुरुक्षेत्र को अपनी कर्मभूमि भी बनाया– आज समाज के हर व्यक्ति को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। तभी उनके जंयती समारोह को मनाने के प्रयास सार्थक हो सकेंगे। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न गुलजारी लाल नंदा के जयंती समारोह पर बधाई देते हुए कहा कि नंदा जी ने कुरुक्षेत्र के विकास को जो सपना देखा, आज उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास किया जा रहा हैं।

भारत रत्न गुलजारी लाल नंदा कर्म करने में विश्वास रखते थे और कुरुक्षेत्र को विकास की राह पर लाने का काम नंदा जी ने किया, इसी उदेश्य के लिए ही केडीबी की स्थापना भी की। इस धर्मक्षेत्र के विकास का पहिया निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। कुरुक्षेत्र का विकास करना उनके सपनों को पूरा करने जैसा है। हम सबकी जिम्मेवारी है कि हम कुरुक्षेत्र के विकास के लिए अपने–अपने स्तर पर प्रयास करें।

इस मौके पर थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, मदन मोहन छाबड़ा, अशोक रोशा, केन्द्र निदेशक प्रो. शुचिस्मिता, समाज सेवी विजय सभ्रवाल, कृष्ण धमीजा, विनोद गर्ग, डॉ. कुलदीप आर्य, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. निरूपमा भट्टी, पवन आश्री, एमके मोदगिल, प्रदीप सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

13 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि के पात्र घोषित

कुवि परिसर : कुवि की शोध समिति और परीक्षकों के बोर्ड की अनुशंसा पर 4 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है। कुवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि पीएचडी डिग्री के लिए पात्र घोषित किए गए शोधार्थियों में कॉमर्स से लक्की वर्मा, मैनेजमेंट से अंजलि, बायो–केमिस्ट्री से मनीषा रानी तथा अप्लाईड जियोफिजिक्स से रमनदीप कौर ,अंग्रेजी से देवी रानी, हिंदी से पूजा गुप्ता व मोनी, एजुकेशन से रविन्द्र सिंह, कैमिस्ट्री से कुलबीर कादयान, कम्प्यूटर साइंस से कार्तिका मक्कड़ व निधि, इलेक्ट्रानिक्स से मनीषा डागर तथा अर्थशास्त्र से टेक राम शामिल हैं।

हरियाणवी फुलझड़ी कला कार्यशाला का आयोजन

कुवि परिसर : हरियाणा की लोक संस्कृति में 'फुलझड़ी' एक सांस्कृतिक प्रतीक है जोकि सौंदर्य, उल्लास, खुशी आगमन, उत्सव एवं उत्साह का प्रतिनिधित्व करती है। हरियाणवी लोक कला एवं संस्कृति में आज भी फुलझड़ी का विशेष महत्व है जहां विवाह में वधू पक्ष की ओर से वर पक्ष को रंग बिरंगी एवं खुशियों की प्रतीक फुलझड़ी दी जाती है। यह विचार कुवि के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने गुरुवार को केयू धरोहर हरियाणा संग्रहालय द्वारा कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आयोजित पांच दिवसीय हरियाणवी फुलझड़ी कला कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए।

डॉ. कुलदीप सिंह आर्य पैनोरमा एंड साइंस सेंटर, की एडवाइजरी कमेटी के सदस्य मनोनीत

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के धरोहर हरियाणा संग्रहालय के क्यूरेटर डॉ कुलदीप सिंह आर्य को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, दिल्ली द्वारा पैनोरमा एंड साइंस सेंटर, कुरुक्षेत्र की एडवाइजरी कमेटी के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। इस संदर्भ में डॉ कुलदीप सिंह आर्य ने बताया कि यह अवधि 2 वर्ष की है जिसमें प्रत्येक वर्ष दो से तीन मीटिंग होगी जिसमें वार्षिक कार्य योजना के निर्माण, शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन हेतु विचार विमर्श किया जाता है।

कुलसचिव द्वारा केयू कुटिक सेंटर का अवलोकन

कुवि परिसर : कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कुविका टेक्नोलॉजी इंक्यूबेशन सेंटर का अवलोकन किया । इस अवसर उन्होने कहा कि नवाचार एवं उद्यमिता विकसित भारत का आधार है तथा यह सेंटर भारत के 'प्रौद्योगिकी विजन 2035' के उद्देश्यों को प्राप्त करन की दिशा में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर कुटिक समन्वयक प्रो. अनुरेखा शर्मा ने कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल का स्वागत करते हुए बताया कि केन्द्र में संचालित परियोजनाओं की जानकारी साझा की। इस मौके पर डॉ. अश्वनी मित्तल, डॉ. रीटा देवी, डॉ. हरदीप राय शर्मा व इंक्यूबेशन कंसलटेंट मनोज कुमार उपस्थित रहे।

डॉ. जितेन्द्र कुमार बने एकेडमिक कांउसिल के सदस्य

कुवि परिसर : जूलोजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. जितेन्द्र कुमार को तुरन्त प्रभाव से आगामी दो वर्षो के लिए कुवि एकेडमिक कांउसिल का सदस्य बनाया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

कुलपति ने पूर्व छात्रा को प्रदान की फोल्डेबल ट्राइसाइकिल

कुवि परिसर : कुवि के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए बुधवार को विधि संस्थान की दिव्यांग पूर्व छात्रा मुकेश देवी को फोल्डेबल ट्राइसाइकिल प्रदान की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा दिव्यांग लोगों के प्रति जागरूकता पैदा करने, उनकी मदद करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए वैश्विक अभियान नियमित रूप से चलाए जाते हैं। पूर्व छात्रा मुकेश देवी ने फोल्डेबल ट्राई साइकिल देने के लिए कुलपति का आभार प्रकट किया ।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में सफाई अभियान की शुरुआत

कुवि परिसर : दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में सफाई अभियान की शुरुआत विभाग की निदेशक प्रो. मंजूला चौधरी की अध्यक्षता में की गई। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. मंजूला चौधरी ने कहा कि साफ सफाई का हमारे जीवन में बहुत महत्व है जिस प्रकार हम अपने घरों में साफ सफाई रखते है उसी प्रकार अपने कार्यालय को साफ सुथरा रखना हम सब की जिम्मेदारी है। हमे अपने मन, वचन कर्म से साफ सुथरा होना चाहिये। इस अवसर कुंटिया प्रधान राजवंत कौर, मनीष बालदा, राजपाल नरेन्द्र सिंह, रिसिंह, सुरेन्द्र मलिक, चन्द्रमोहन, योगेश शर्मा, टीका राम, राजेश, राजीव राखी, सन्तोष, मोनूबाला, करुणा, सुशीला, मानिक, सुनील दहिया, निर्मला, नरेश, गेजपाल, मोनिका, अनिल भुक्कल आदि उपस्थित रहें।

डॉ. योगेश कुमार बने बॉटनी विभाग के अध्यक्ष

कुवि परिसर : बॉटनी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगेश कुमार को तत्काल प्रभाव से आगामी तीन वर्षों के लिए बॉटनी विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महा. सिंह पूनिया ने बताया इसके साथ ही डॉ. योगेश कुमार एकेडमिक कांउसिल तथा फैकल्टी ऑफ लाईफ सांइसिज के सदस्य होंगे तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज के चेयरपर्सन होंगे।

कुवि के पांच विद्यार्थियों का फेडरल बैंक में हुआ चयन

कुवि परिसर : कुवि के प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और रोजगार केन्द्र द्वारा आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में कुवि के पांच छात्र–छात्राओं का चयन फेडरल बैंक द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों और पूरी प्लेसमेंट टीम को बधाई दी। कुवि के प्लेसमेंट आफिसर डॉ. महेन्द्र सिंह ने बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव दो चरणों में सम्पन्न हुई जिसमें विभिन्न विभागों के 100 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया और आनलाइन परीक्षा दी जिसके बाद सामूहिक परिचर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से से एमबीए के दो विद्यार्थियों का चयन बैंक में अधिकारी के तौर पर हुआ। इन छात्रों को 16 लाख का वार्षिक पैकेज मिलेगा और दूसरे चरण में स्नातक स्तर के 95 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन परीक्षा दी। इन विद्यार्थियों को बैंक की तरफ से लगभग 8 लाख रूपये सालाना पैकेज मिलेगा। कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, यूआईईटी के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा, यूएसएम के चेयरमैन प्रो. सुशील शर्मा, प्रो. जसविन्द्र सिंह ने भी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

मीडिया संस्थान में पौधारोपण

कुवि परिसर : जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया और संस्थान के स्टाफ ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर कंप्यूटर साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर रमेश कैंथ सहित संस्थान के शिक्षक एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मधुदीप, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आबिद अली, डॉ. रोमा सिंह, डॉ. अभिनव, डॉ. तपेश किरण, डॉ. रोशन मस्ताना, गौरव कुमार, सुनीता, रीतू, अपर्णा, गैर–शिक्षक स्टाफ में अधीक्षक गुलशन दुआ, अनिल कुमार, डॉ. सतीश राणा, राजेश कुमार, जितेंद्र रोहिल्ला, कंवरदीप शर्मा, नरेश कुमार, दिनेश कुमार, जसविंदर, दलविंदर, मनीष कुमार एवं शोधार्थी सुनील कुमार, सचिन उपस्थित रहे।

पीएचडी में प्रवेश के दूसरे दौर के लिए आवेदन आमंत्रित

कुवि परिसर : विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए पूर्णकालिक (वैध नेट गेटध्जीपैट पर) और प्रवेश परीक्षा (फार्मेसीध मैकेनिकल इंजीनियरिंगध्इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंस्ट्रूमेंटेशन इंजी. नियरिंगध होटल मैनेजमेंट आदि में) और अंशकालिक (प्रवेश परीक्षा के माध्यम से) के लिए पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के दूसरे दौर के लिए आवेदन पत्र पात्र उम्मीदवारों से आमंत्रित किए गए हैं। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि प्रत्येक विभाग/संस्थान में प्रवेश के लिए अनुसूची, रिक्त सीटों की संख्या (श्रेणीवार)/विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

Big names, big day -
KU celebrates Yoga Day with CM Nayab Saini & Baba Ramdev Ji.

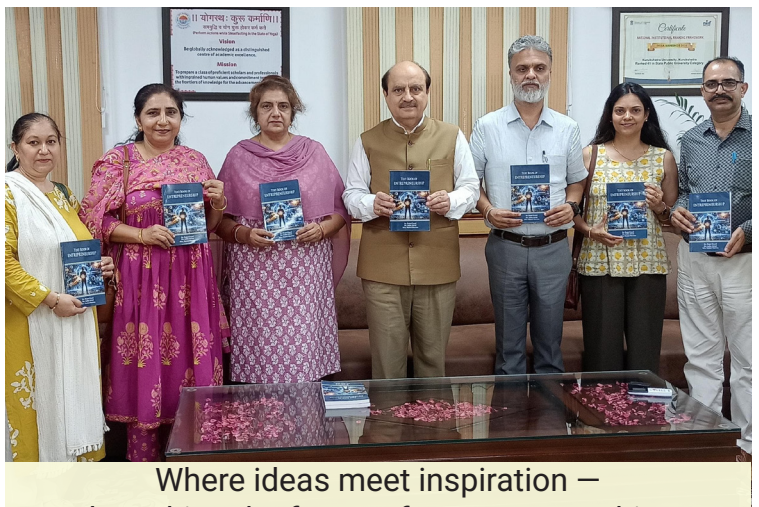

Where ideas meet inspiration —
launching the future of entrepreneurship.

Leadership visit: Dr. Virendra Pal inspects
innovation at KU Kutik Centre

Green efforts, golden recognition –
KU bags Environment Champion Award 2025.

Stretch. Breathe. Unite. Yoga Day Marathon at Brahm Sarovar.

Planting for the planet –
IMCMT celebrates World Environment Day

KU's Environmental Studies Institute leads
Environment Day 2025 celebrations.

Placed and Proud –
SBI Life Welcomes KU Talent in Campus Placement Drive.

Traditional art revived – Fuljhadi workshop concludes at Heritage Haryana Museum, KU

Service meets wisdom –
NSS volunteers at Gujarat Raj Bhavan with Governor Acharya Devvrat Ji.

Editor. Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURKSHETRA UNIVERSITY, KURKSHETRA, Editorial Committee: Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Dr. Pardeep Rai, Asst. Prof., Mr. Rahul Arora, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., IMC&MT, Published By The Registrar, Kurkshetra University, Kurkshetra. E-mail id- newsletter@kuk.ac.in